पेयजल विभाग का वित्तीय वर्ष 2021–22 हेतु Outcome Budget

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र0सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2020 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31.03.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2021–22	आउटकम हेतु सम्भावित अवधि
			राजस्व	पूंजीगत					
1	जल जीवन मिशन	ग्रामीण क्षेत्र की जनता को पेयजल उपलब्ध कराना।	5098.16	61678.54	1) भारत सरकार द्वारा संचालित आईएमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध आंकडों के अनुसार राज्यान्तर्गत दि0 01.04.2020 को कुल 14,61,910 ग्रामीण परिवारों में से 217120 परिवारों को एफएचटीसी उपलब्ध है, जो 14.85 प्रतिशत है।	दि0 01.04.2020 को एफ.एच.टी.सी. हेतु अवशेष 1244790 परिवारों में से वर्ष 2020–21 में दि0 05.03.2021 तक 408216 परिवारों को एफ.एच.टी.सी. उपलब्ध कराये जा चुके है। दि0 31.03.2021 तक लगभग 4.43 लाख एफ.एच.टी.सी. प्रदान किये जाने सम्भावित हैं।	1) वर्तमान में भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन लागू किये जाने के फलस्वरुप 55 एल.पी.सी.डी. की दर से **हर घर नल से जल (एफएचटीसी)** उपलब्ध कराया जाना है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में एफ.एच.टी.सी. प्रदान किए जाने हेतु अवशेष परिवारों मे से 490830 परिवारों को वित्तीय वर्ष 2021–22 में एफएचटीसी उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।	1) वर्तमान में भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन लागू किये जाने के फलस्वरुप 55 एल.पी.सी.डी. की दर से **हर घर नल से जल (एफएचटीसी)** उपलब्ध कराया जाना है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में एफ.एच.टी.सी. प्रदान किए जाने हेतु अवशेष परिवारों मे से 490830 परिवारों को वित्तीय वर्ष 2021–22 में एफएचटीसी उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।	1 वर्ष
	राज्य सैक्टर ग्रामीण			1200.00					
	नाबार्ड			18000.00					
	अन्य		10687.08	1790.01					
2	वाह्य सहायतित परियोजना	पैरी अरबन क्षेत्रों में नगरीय मानकों के अनुरूप पेयजल व्यवस्था।	800.00	32000.00	05 जिलो के 15 सेन्सस टाउन के कुल प्रस्तावित 22 योजनाओं के सापेक्ष 12 योजनाएं स्वीकृत एंव गतिमान । वर्ष 2022–23 तक समस्त कार्य पूर्ण किया जाना लक्षित है। 87757 नग ए0एम0आर0 मीटर युक्त संयोजन का प्राविधान हैं।	05 जनपदो की चालू 12 योजनाओं में 65 प्रतिशत भौतिक प्रगति। 1024 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया जाना।	स्वीकत योजनाओं के सापेक्ष 11 योजनाएं पूर्ण किया जाना जिनके अंतर्गत कुल 87757 के सापेक्ष 46949 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया जाना।	स्वीकत योजनाओं के सापेक्ष 11 योजनाएं पूर्ण किया जाना जिनके अंतर्गत कुल 87757 के सापेक्ष 46949 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया जाना।	1 वर्ष
		नगरीय क्षेत्र में मानकों के अनुरूप पेयजल व्यवस्था।	500.00	100.00	उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत कुल 92 नगरों में से 23 नगरों को मानकों के अनुरुप पेयजल उपलब्ध हो रहा है॥ 32 नगरों को 70–134 एल.पी.सी.डी. तथा 37 नगरों को 70 एल.पी.सी.डी. अथवा कम दर से जलापूर्ति उपलब्ध है। प्राथमिकता के आधार पर 38 समस्याग्रस्त नगरों को मानको के अनुरुप (135 एल.पी.सी.डी.) पेयजल उपलब्ध कराये जाने हेतु रू0 1258.00 करोड़ का ऋण प्रस्ताव पर भारत सरकार द्वारा सैद्धान्तिक सहमति प्रदान कर दी गयी है।	38 नग प्रस्तावित डी0पी0आर0 के सापेक्ष 26 डी0पी0आर0 भारत सरकार को स्वीकृति हेतु प्रेषित किया जाना।	वित्तीय वर्ष 2021–22 में बैंक से ऋण प्रस्ताव हेतु एम0ओ0यू0 किया जाना प्रस्तावित एवं वित्तीय वर्ष 2021–22 में निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाना लक्षित है। योजनओं की स्वीकृति उपरान्त निविदा आमंत्रित कर कार्य प्रारम्भ किया जाना लक्षित है।	वित्तीय वर्ष 2021–22 में बैंक से ऋण प्रस्ताव हेतु एम0ओ0यू0 किया जाना प्रस्तावित एवं वित्तीय वर्ष 2021–22 में निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाना लक्षित है। योजनओं की स्वीकृति उपरान्त निविदा आमंत्रित कर कार्य प्रारम्भ किया जाना लक्षित है।	1 वर्ष
		नगरीय जलोत्सारण व्यवस्था।		8000.00	हरिद्वार, ऋषिकेश एवं उनके समीपवर्ती क्षेत्रों में आशिक बिछी सीवर लाईन के सापेक्ष पूर्ण सीवर लाईन से आच्छांदन एवं हाउसहोल्ड कनेक्शन का प्राविधान कर के0एफ0डब्ल्यू के अन्तर्गत स्वीकृत है। इसके अन्तर्गत हरिद्वार शहर में कुल वांछित 411.65 किमी0 सीवर लाईन के सापेक्ष 230.15 कि0मी सीवर लाईन पूर्व से बिछी हुई अथवा अन्य कार्यक्रमो के अंतर्गत प्रस्तावित। के0एफ0डब्ल्यू0 के अंतर्गत 49558 नग हाउस होल्ड सीवर कनैक्शन एवं 181.50 कि0मी0 सीवर लाईन, 11 नग एस0पी0एस0 प्रस्तावित है।. जबकि ऋषिकेश में कुल वांछित 235.00 किमी0 सीवर लाईन के सापेक्ष 55.00 कि0मी सीवर लाईन पूर्व से बिछी हुई अथवा अन्य कार्यक्रमो के अंतर्गत प्रस्तावित है। के0एफ0डब्ल्यू0 के अंतर्गत 180 कि0मी सीवर लाईन एवं 32080 नग हाउस होल्ड सीवर कनैक्शन, 02 एम0एल0डी0 एस0टी0पी0, 02 नग एस0पी0एस0 प्रस्तावित है।	के0एफ0डब्ल्यू एंव एस0पी0एम0जी0 के माध्यम से सलाहकार नियुक्त कर प्राक्कलन रिव्यू/परीक्षण मार्च 2021 तक प्रस्तावित है।	के0एफ0डब्ल्यू एवं एस0पी0एम0जी0 के माध्यम से सलाहकार नियुक्त होने के पश्चात् निविदा आमन्त्रित किया जाना प्रस्तावित है। निविदा स्वीकृति के उपरान्त शीघ्र कार्य पारम्भ कर किया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2021–22 में 5 प्रतिशत भौतिक प्रगति प्रस्तावित।	के0एफ0डब्ल्यू एवं एस0पी0एम0जी0 के माध्यम से सलाहकार नियुक्त होने के पश्चात् निविदा आमन्त्रित किया जाना प्रस्तावित है। निविदा स्वीकृति के उपरान्त शीघ्र कार्य पारम्भ कर किया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2021–22 में 5 प्रतिशत भौतिक प्रगति प्रस्तावित।	1 वर्ष

Scanned by CamScanner

क्र	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2020 की वास्तवितक स्थिति (भौतिक)	31.03.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2021–22	आउटकम हेतु सम्भावित अवधि
			राजस्व	पूंजीगत					
3	राज्य सैक्टर नगरीय पेयजल/जलोत्सारण योजनायें	नगरीय क्षेत्र में जनता को पेयजल एवं जलोत्सारण व्यवस्था करना।	5165.00	7381.50	कुल 92 नगरों में से 23 नगरों में मानको के अनुरुप पेयजल उपलब्ध है तथा 26 नगरों में आंशिक सीवर नेटवर्क उपलब्ध है।	09 नगरों में पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजनाओं में से 01 नगर की पेयजल योजना के कार्य पूर्ण किया जाना। 03 नगरों में जलोत्सारण व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजनाओं में से 02 नगर की जलोत्सारण योजना के कार्य पूर्ण किया जाना। 20 पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं का अनुरक्षण कार्य पूर्ण किया जाना।	08 नगरों में पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजनाओं में से 06 नगर की पेयजल योजना के कार्य पूर्ण किया जाना। 01 नगर में जलोत्सारण व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजना पूर्ण किया जाना। 22 पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं का अनुरक्षण कार्य पूर्ण किया जाना।	08 नगरों में पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजनाओं में से 06 नगर की पेयजल योजना के कार्य पूर्ण किया जाना। 01 नगर में जलोत्सारण व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजना पूर्ण किया जाना। 22 पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं का अनुरक्षण कार्य पूर्ण किया जाना।	1 वर्ष
4	नमामि गंगे	नदियों को प्रदूषण मुक्त करना।	0	0	नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत गंगा नदी की मुख्य धारा पर स्थित 15 नगरों में स्वीकृत रू0 893.07 करोड़ की 19 नग योजनाओं में से 15 नग योजनाओं के अन्तर्गत प्रस्तावित 32 नग 131.87 एम0एल0डी0 के सापेक्ष 27 नग 120.32 एम0एल0डी0 (मिलियन लीटर प्रति दिन) क्षमता के नये सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट का निर्माण पूर्ण किया गया तथा पूर्व से स्थापित 57 एम0एल0डी0 क्षमता के 06 नग सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट के उच्चीकरण का कार्य पूर्ण किया गया है। लक्षित 61 नग नालों के सापेक्ष 52 नालों को टैप कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त 02 नगरों देहरादून एवं रामनगर में नदियों में गिर रहे नालों की टैपिंग एवं शोधन हेतु रू0 118.81 करोड़ की योजनाएं स्वीकृत। रामनगर में योजना के कार्य 15 प्रतिशत पूर्ण। देहरादून नगर के कार्यो पर निविदा कार्य प्रगति पर।	नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत गंगा नदी की मुख्य धारा पर स्थित 15 नगरों में स्वीकृत रू0 893.07 करोड़ की 19 नग योजनाओं में से 15 नग योजनाओं के अन्तर्गत प्रस्तावित 32 नग 131.87 एम0एल0डी0 के सापेक्ष 31 नग 129.17 एम0एल0डी0 (मिलियन लीटर प्रति दिन) क्षमता के नये सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट का निर्माण पूर्ण किया गया। लक्षित 61 नग नालों के सापेक्ष 58 नालों को टैप कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त 02 नगरों देहरादून एवं रामनगर में नदियों में गिर रहे नालों की टैपिंग एवं शोधन हेतु रू0 118.81 करोड़ की योजनाएं स्वीकृत। रामनगर में योजना के कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण किया जाना। देहरादून नगर में योजना के कार्यो को 40 प्रतिशत पूर्ण किया जाना।	नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत शेष 2.7 एम0एल0डी0 क्षमता के 01 नग सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट का निर्माण कार्य तथा शेष 03 नग नालो की टैपिंग जून 2021 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है। इसके अतिरिक्त 02 नगरों देहरादून एवं रामनगर में नदियों में गिर रहे नालों की टैपिंग एवं शोधन हेतु रू0 118.81 करोड़ की योजनाएं स्वीकृत। रामनगर में योजना के कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण किया जाना। देहरादून नगर में योजना के कार्यो को 100 प्रतिशत पूर्ण किया जाना।	नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत शेष 2.7 एम0एल0डी0 क्षमता के 01 नग सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट का निर्माण कार्य तथा शेष 03 नग नालो की टैपिंग जून 2021 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है। इसके अतिरिक्त 02 नगरों देहरादून एवं रामनगर में नदियों में गिर रहे नालों की टैपिंग एवं शोधन हेतु रू0 158.81 करोड़ की योजनाएं स्वीकृत। रामनगर में योजना के कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण किया जाना। देहरादून नगर में योजना के कार्यो को 100 प्रतिशत पूर्ण किया जाना।	1 वर्ष
		नदियो का प्रदूषण मुक्त करना (चयनित 9 नदियों स्ट्रैचैज)	2238.54	0.02	09 रिवर स्ट्रैच को प्रदूषण मुक्त करने हेतु चयन किया गया जिसमें 07 (किच्छा, ढेला, वहेला, नन्दोर, पिलाखर, कोसी, कल्याणी नदियों) रिवर स्ट्रैचों मे, आई0एण्ड0डी0 एवं एस0टी0पी0 निर्माण एवं तुरन्त राहत हेतु बायोरेमिडीशन के डी0पी0आर0 बनाने के भारत सरकार द्वारा निर्देश प्राप्त हुए।	किच्छा, ढेला, वहेला, नन्दोर, पिलाखर, कोसी नदियों के रिबर स्टैचैज को प्रदूषण मुक्त करने हेतु आई0एण्ड डी0, एस0टी0पी0 की रू0 228.00 करोड़ की डी0पी0आर0 बनाकर एन0एम0सी0जी0, भारत सरकार को प्रेषित किये गये है। बायोरेमिडेशन की 05 योजना हेतु रू0 2.59 करोड स्वीकृत, निविदा कार्य पूर्ण, कार्य प्रारम्भ।	प्रेषित योजनाओं की भारत सरकार से स्वीकृति उपरान्त निविदा आमन्त्रित कर काम प्रारम्भ किया जायेगा।	प्रेषित योजनाओं की भारत सरकार से स्वीकृति उपरान्त निविदा आमन्त्रित कर काम प्रारम्भ किया जायेगा।	1 वर्ष

Scanned by CamScanner

	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2020 की वास्तवितक स्थिति (भौतिक)	31.03.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2021–22	आउटकम हेतु सम्भावित अवधि
			राजस्व	पूंजीगत					
5	स्वच्छ भारत मिशन	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त शौचालयविहीन परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से आच्छादित करना।	451.25	9680.16	99.90 : (राज्य के कुल 1562046 ग्रामीण परिवारों में से 1559287 ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से आच्छादित किए गये हैं।)	100 :(वित्तीय वर्ष 2020–21 में 11914 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया जाना संभावित है। इस प्रकार राज्य के कुल 1571201 ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित हो जायेंगे)	100 : (खुले में शौच की प्रथा से मुक्ति के स्थायित्व को बनाये रखने हेतु त्मजतवपिजजपदह से सम्बन्धित कार्य कराये जायेंगे।)	100: (खुले में शौच की प्रथा से मुक्ति का स्थायित्व सुनिश्चित किया जा सकेगा।)	1 वर्ष
					100: (आधारभूत सर्वेक्षण –2012 के अनुसार समस्त ग्रामीण परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित किया गया तथा सम्बन्धित जिलाधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र निर्गत किए जा चुके हैं।	100:	100:	100:	1 वर्ष
		ओ0डी0एफ0 प्लस के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यो को वृहद स्तर पर किया जाना।			10ण्45: (राज्य कुल कुल ग्रामीण परिवार 15,62,046 के सापेक्ष क्रमिक1,63,300 परिवार ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यों से लाभान्वित हुयी थी)	16ण्86: (वित्तीय वर्ष में 2,551 ग्रामो के लक्ष्यों के सापेक्ष 1,000 ग्रामों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्य पूर्ण किये जाने की संभावना है जिनसे 10,000 परिवार (वर्तमान वित्तीय वर्ष म 39.20प्रतिशत) लाभान्वित होंगे। इस प्रकार क्रमिक 2,63,300परिवार (16.86 प्रतिशत) लाभान्वित होने की संभावना है।)	26ण्46: (वित्तीय वर्ष में कुल 4071 ग्रामोंका लक्ष्य रखा गया है जिसे शत–प्रतिशत पूर्ण करने के प्रयास किये जायेंगे। तथापि अनुमानतः 1,500 ग्रामों में कार्य पूर्ण किये जाने की संभावना है जिससे 15,000परिवार (वर्तमान वित्तीय वर्ष मे 36.85 प्रतिशत) लाभान्वित होंगे। इस प्रकार क्रमिक 4,133 ग्रामों के 4,13,300 परिवार (26.46 प्रतिशत) लाभान्वित होंगे।	ओ0डी0एफ0 प्लस के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के स्तर को बनाये रखने हेतु ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यों से दीर्घकालिक स्थायित्व प्राप्त होगा।	1 वर्ष
		ग्रामीण सार्वजनिक स्थलों पर सामुदायिक स्वच्छता काम्पलेक्सों के निर्माण से ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों तथा फ्लोटिंग जनसंख्या को लाभान्वित करना।			कुल 681 सामुदायिक शौचालय निर्मित थे जिनसे 66100 ग्रामीण परिवारों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों तथा फ्लोटिंग जनसंख्या लाभान्वित हो रही है।	वित्तीय वर्ष में ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थलों/यात्रा रूटों में 2551नये सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है जिनके सापेक्ष 500 प्रगति संभावित है। इस प्रकार 31.3.2021 तक क्रमिक 1181 सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया जा सकेगाजिनसे ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ सिवंजपदह चवचनसंजपवद भी लाभान्वित हो सकेगी)	कुल 5757 सामुदायिक शौचालय का निर्माण किये जाने का लक्ष्य है जो कि ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थलों पर निर्मित किये जायेंगे जिनसे ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ सिवंजपदह चवचनसंजपवद भी लाभान्वित हो सकेगी)	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों के निर्माण से ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ सिवंजपदह चवचनसंजपवद भी लाभान्वित हो सकेगी)	1 वर्ष
6	विद्युत देयकों का भुगतान, ग्रेच्युटी भुगतान	विद्युत देयकों का भुगतान, ग्रेच्युटी भुगतान।	24500.00		विद्युत देयकों का भुगतान, ग्रेच्युटी भुगतान	–	–	पेयजल उत्पादन में प्रयुक्त विद्युत देयकों का भुगतान, कार्मिकों का ग्रेच्युटी का भुगतान।	1 वर्ष

Scanned by CamScanner

Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF)

*C= Outcome NITI Indicators **A= Regular Monitoring/Scehematic Indicators ***C/A= NITI indicators which can be moniotered

SN	Target	State Indicator/MOSPI/NITI AYOG Indicator *NI- (National Indicators) *NI/MI (Monitorable Indicators) *SI Indicators	MI- GoI Monitorable/ NI-NITI/ PI-Proxy	Unit	01/04/2020 की स्थिति (मौतिक स्थिति)	31/03/2021 की सम्भावित स्थिति (मौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (मौतिक स्थिति) 2021–22	परिकल्पित आउटकम (मौतिक स्थिति) 2021–22
	1	2	3	4	5	6	7	8
	Goal 1: NO POVERTY: End poverty in all its forms everywhere							
	लक्ष्य 1 – गरीबी समाप्त करना: गरीबी के सभी रूपों का सब जगह अन्त करना।							
19	1.4 By 2030, ensure that all men and women, in particular the poor and the vulnerable, have equal rights to economics resources, as well as access to basic services, ownership and control over land and other forms of property, inheritance, natural resources, appropriate new technology and financial services including microfinance. 1.4 सभी पुरूषों व महिलाओं सहित गरीबों व कमजोरों को आर्थिक संसाधनों में समान अधिकार, मूलभूत सेवायें, भूमि, सम्पति, विरासत, प्राकृतिक संसाधन व नई प्रौद्योगिकी व वित्तीय सेवाओं से जोड़ना।	1.4.1. Percentage of population (Rural) getting safe and adequate drinking water within premises through pipe water supply (PWS) (Similar to 6.1.1) % कुल ऐसी जनसंख्या का प्रतिशत जिन्हे पाईप वाटर सप्लाई द्वारा सुरक्षित पीने योग्य पानी मिल रहा हो। (%)	NI/MI/MOSPI	%	68%	लागू नहीं। चूंकि जल जीवन मिशन अंतर्गत परिवारों को लाभान्वित किया जाना इकाई निर्धारित है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत सम्बन्धित आंकड़े पृथक से संकेतक में अंकित कर दिए गए है।		
20		1.4.2. Percentage of population (Urban) living in households with access to safe drinking water and Sanination (toilets) ऐसे शहरी परिवारों की संख्या जिनके पास पेयजल एवं शौचालय सुविधा है।	NI/MI/MOSPI	% (Urban)	62.41%	64.93%	67.38%	67.38 प्रतिशत शहरी जनसंख्या को पेयजल सुविधा से लाभान्वित किया जाना लक्षित है।
				% (Rural)	-	-	-	शहरी परिवारों में शौचालय सम्बन्धी आंकड़े शहरी विकास विभाग से अप्राप्त।
21		1.4.3. Number of HHs provided Tap water under Jal Jeevan Mission जल जीवन मिशन के अन्तर्गत घर–घर पेयजल नल संयोजन संख्या	SI	No.	14.85%	45.15%	78.72%	दि0 01.04.2020 217120 परिवार लाभान्वित थे। वर्ष 2021–22 की समाप्ति तक 1150830 परिवार लाभान्वित किए जाने लक्षित/सम्भावित है।

Scanned by CamScanner

Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF)

*C= Outcome NITI Indicators **A= Regular Monitoring/Scehematic Indicators ***C/A= NITI indicators which can be moniotered

SN	Target	State Indicator/MOSPI/NITI AYOG Indicator *NI- (National Indicators) *NI/MI (Monitorable Indicators) *SI Indicators	MI- GoI Monitorable/ NI-NITI/ PI-Proxy	Unit	01/04/2020 की स्थिति (मौतिक स्थिति)	31/03/2021 की सम्भावित स्थिति (मौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (मौतिक स्थिति) 2021–22	परिकल्पित आउटकम (मौतिक स्थिति) 2021–22
	1	2	3	4	5	6	7	8
	Goal 6. CLEAN WATER AND SANITATION: Ensure availability and sustainable management of water and sanitation for all							
	लक्ष्य संख्या–6 – स्वच्छ जल एवं स्वच्छता (सभी के लिए जल और स्वच्छता की उपलब्धता और सतत प्रबन्धन सुनिश्चित करना।)							
182	6.1 : By 2030, achieve universal and equitable access to safe and affordable drinking water for all 6.1 सभी के लिए शुद्ध व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करना।	6.1.1. Percentage of population getting safe and adequate drinking water within premises through piped water supply (similar to 1.4.1). कुल जनसंख्या के सापेक्ष ऐसी जनसंख्या का प्रतिशत जिनको घरों के अन्दर पाइप द्वारा शुद्व पेय जल आपूर्ति हो रही है।	NI/ MOSPI	%	65.98%	लागू नहीं। चूंकि ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन अंतर्गत परिवारों को लाभान्वित किया जाना इकाई निर्धारित है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत सम्बन्धित आंकड़े पृथक से संकेतक में अंकित कर दिए गए है।		
183		6.1.2. Percentage of population having safe and adequate drinking water in rural area ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षित पेयजल उपयोग करने वाली जनसंख्या का प्रतिशत	SI	%	62.27%	67.33%	68.00%	01.04.2020 को 09 ग्रामों में 10039 एफ0एच0टी0सी0 में 51 हजार जनसंख्या गुणवत्ता प्रभावित थी जिसे वर्ष 2021–22 तक शत–प्रतिशत शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना लक्षित है।
184		6.1.3. Percentage of water sources tested for water quality for potability of water शुद्व पेयजल सुनिश्चित करने हेतु प परीक्षण किए गए जल स्रोतों का प्रतिशत	SI	%	53.33%	100%	100%	कुल 35780 चिन्हित श्रोतों के सापेक्ष शत–प्रतिशत जल श्रोत परीक्षण किया जाना लक्षित।

Scanned by CamScanner

Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF)

*C= Outcome NITI Indicators **A= Regular Monitoring/Scehematic Indicators ***C/A= NITI indicators which can be moniotered

SN	Target	State Indicator/MOSPI/NITI AYOG Indicator *NI- (National Indicators) *NI/MI (Monitorable Indicators) *SI Indicators	MI- GoI Monitorable/ NI-NITI/ PI-Proxy	Unit	01/04/2020 की स्थिति (मौतिक स्थिति)	31/03/2021 की सम्भावित स्थिति (मौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (मौतिक स्थिति) 2021–22	परिकल्पित आउटकम (मौतिक स्थिति) 2021–22
	1	2	3	4	5	6	7	8
186	6.2 By 2030, achieve access to adequate and equitable sanitation and hygiene for all and end open defecation, paying special attention to the needs of women and girls and those in vulnerable situations **6.2 पर्याप्त स्वच्छता व स्वास्थ्यकारिता पहुंच सुनिश्चित करना तथा खुले में शौच की प्रथा समाप्त करना।**	6.2.1. Proportion of rural and urban households having access to toilet facility (percentage) (Similar to 1.4.1.) शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे परिवारों को प्रतिशत जिनके पास व्यक्तिगत पारवारिक शौचालय है अथवा जिनकी शौचालय तक पहुंच है।	NI/ MOSPI Rural	%	99.99%	100.00%	100.00%	शत–प्रतिशत खुले में शौच की प्रथा से मुक्ति का स्थायित्व सुनिश्चित किया जा सकेगा।
187			Urban	%	शहरी विकास विभाग से आंकड़े अप्राप्त।			
188		6.2.2. Percentage of Districts veryfied to be open defecation free. खुले में शौच मुक्त प्रमाणिता जनपदो का प्रतिशत।	NI/MOSPI	%	99.99%	100.00%	100.00%	100.00%
194	6.3 By 2020, improve water qualtiy by reducing polution, eliminating dumpoing and minimizing release of hazardous chemcials and materials halving the proporation o funtreated waste water and substantially increasing crecycling and sage reuse globally.	6.3.4 Percentage of HHs in urban areas covered with Sewage system शहरी क्षेत्रों में सीवेज सिस्टम से आच्छादित कुल परिवारों/घरों का प्रतिशत	SI	%	15.92%	16.33%	16.82%	16.82 प्रतिशत शहरी जनसंख्या को सीवरेज सुविधा से लाभान्वित किया जाना लक्षित है।

Scanned by CamScanner

Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF)

*C= Outcome NITI Indicators **A= Regular Monitoring/Scehematic Indicators ***C/A= NITI indicators which can be moniotered

SN	Target	State Indicator/MOSPI/NITI AYOG Indicator *NI- (National Indicators) *NI/MI (Monitorable Indicators) *SI Indicators	MI- GoI Monitorable/ NI-NITI/ PI-Proxy	Unit	01/04/2020 की स्थिति (मौतिक स्थिति)	31/03/2021 की सम्मावित स्थिति (मौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (मौतिक स्थिति) 2021–22	परिकल्पित आउटकम (मौतिक स्थिति) 2021–22
	1	2	3	4	5	6	7	8
195	6.3 कूड़ा ढेर उन्मूलन, खतरनाक रसायनिक सामग्री का न्यूनीकरण, अनुपचारित अपशिष्ट जल का अनुपात आधा करने तथा जल रिसाइक्लिंग कर सुरक्षित जल का **उपयोग करना।**	6.3.5. Proportion of waste water treatment capacity created vis-à- vis total generation कुल उत्पादित अपशिष्ट जल की तुलना में अपशिष्ट जल उपचार क्षमता का अनुपात।	NI/MOSPI	Ratio	0.5281	0.5313	0.5832	वर्ष 2021–22 53.65 एम0एल0डी0 क्षमता की सीवेज शोधन क्षमता वृद्धि एस0टी0पी0 निर्माण के माध्यम से लक्षित है।
197		6.3.6. Prevention of river pollution under Namami Ganga program नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत नदी प्रदूषण की रोकथाम।	SI /Liquid waster generated	mld	718.508 एम0एल0डी0	744.169 एम0एल0डी0	769.83 एम0एल0डी0	राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में की जा रही जलापूर्ति के आधार पर वर्ष 2021–22 में 769.83 एम0एल0डी0 लिक्विड वेस्ट उत्पादित होना अनुमानित है।
			Liquid waster Recycled	mld	77 एम0एल0डी0	77 एम0एल0डी0	95 एम0एल0डी0	हरिद्वार में 95 एम0एल0डी0 शोधित उत्प्रवाह संचाई हेतु उपयोग में लाया जाएगा।
			Solid waste generated	mld	शहरी विकास विभाग से आंकड़े अप्राप्त।			
			Solid waste recycled	mld	शहरी विकास विभाग से आंकड़े अप्राप्त।			
199	6.4 : By 2030, substantially increase water-use efficiency across all sectors and ensure sustainable withdrawals and supply of freshwater to address water scarcity and substantially reduce the number of people suffering from water scarcity	6.4.2. Percentage of depleting water sources समाप्त हो रहे जल स्रोतो का प्रतिशत।	SI	%	1.29%	1.29%	लागू नहीं। (वास्तविक आंकड़े वर्ष 2021 ग्रीष्मकाल उपरांत ज्ञात हो सकेगें)	लागू नहीं। (वास्तविक आंकड़े वर्ष 2021 ग्रीष्मकाल उपरांत ज्ञात हो सकेगें)

Scanned by CamScanner

Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF)

*C= Outcome NITI Indicators **A= Regular Monitoring/Scehematic Indicators ***C/A= NITI indicators which can be moniotered

SN	Target	State Indicator/MOSPI/NITI AYOG Indicator *NI- (National Indicators) *NI/MI (Monitorable Indicators) *SI Indicators	MI- GoI Monitorable/ NI-NITI/ PI-Proxy	Unit	01/04/2020 की स्थिति (मौतिक स्थिति)	31/03/2021 की सम्भावित स्थिति (मौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (मौतिक स्थिति) 2021–22	परिकल्पित आउटकम (मौतिक स्थिति) 2021–22
	1	2	3	4	5	6	7	8
200	6.4 जल स्रोतों में पर्याप्त वृद्धि करते हुए जल अभाव ग्रस्त क्षेत्रों में जल की पूर्ति करना।	6.4.3. Per capita storage of water, (in M3/person प्रतिव्यक्ति उपलब्ध जलाशय क्षमता	NI/MOSPI	M3/person	0.034	0.034	0.034	राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कुल सृजित 3.86 लाख कि0ली0 जलाशय क्षमता को जनसंख्या वृद्धि के अनुरूप स्थायी रखा जाना।
201		6.4.4. Per capita availability of water (in m3/person) प्रतिव्यक्ति उपलब्ध जलापूर्ति की दर	NI/MOSPI	M3/person	0.08294	0.08294	0.084	राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में औसतन 84 एल0पी0सी0डी0 की दर की जलापूर्ति किया जाना।
206	6a. By 2030, expand international cooperation and capacity building support to developing countries in water and sanitation related activities and programs including water harvesting, desalination, water efficiency, waste water treatment, recycling and reuse technology.	6a.1. Number of MoU/Co-operation agreements for capacity building and technology transfer. क्षमता वर्धन एवं तकनीकी स्थानांतरण के लिए कुल एम.ओ.यू. अथवा सहयोग समझौतों की संख्या।	NI/MOSPI	No.	1 (UCOST)	1 (UCOST)	1 (UCOST)	उत्तराखण्ड जल संस्थान द्वारा एम0ओ0यू0 किया गया है।
207	6b.. Support and strengthen the participation of local communities in improving water and sanitation management.	6b.1. Proportion of villages with Villager Water and Sanitation Committee (VWSC). जिन गावो में VWSC बनी है उनका अनुपात।	NI/MOSPI		0	0.8163	1	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन अंतर्गत समस्त ग्रामों में ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता समिति बनाया जाना प्रस्तावित है।

Scanned by CamScanner